http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 106

प्रयागराज बुधवार 01 जनवरी 2025

पृष्ठः– 4, मूल्यः– एक रुपया

पूजन उपरान्त फोटो शूट के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मंदिर प्रबंधक बलवीर गिरी जी महाराज, सेल्फी लेते संतोषदास उर्फ सतुआ बाबा।

मोदी सरकार में गरीब–वंचित हैं मनुवाद के दंश से पीड़ितः खरगे

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार को संविधान विरोधी बताते हुए कहा है कि उसके शासन में दलित, आदिवासी, पिछड़े तथा अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगातार अत्याचार हो रहे हैं और गरीब

तथा वंचितों को मनुवाद का दंश झेलना पड़ रहा है। श्री खरगे कहा कि संसद में गृहमंत्री अमित शाह बाबा साहेब अंबेडकर का अपमान करते हैं और भाजपा शासित राज्यों में वही वंचित विरोधी मानसिकता दोहराई जा रही है। गरीबों तथा वंचितों के साथ हाल की घटनाओं का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा श्मध्य प्रदेश के देवास में दलित युवक की पुलिस कस्टडी में हत्या कर दी जाती है और ओडिशा के बालासोर में आदिवासी महिलाओं को पेड़ से बांधकर पीटा जाता है। हरियाणा के भिवानी में दलित छात्रा को बीए परीक्षा की फीस न भर पाने पर आत्महत्या के लिए मजबूर होना पड़ता है तो महाराष्ट्र के पालघर में एक आदिवासी गर्भवती महिला को आईसीयू की तलाश में 100 किलोमीटर जाना पड़ता है और उसकी मृत्यु हो जाती है। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में तीन दलित परिवार पलायन के लिए मजबूर किए जाते हैं क्योंकि उन पर जातिसूचक हमले होते हैं और पुलिस मौन रहती है। ये जगजाहिर है कि मोदी सरकार के संविधान– विरोधी राज में दलित, आदिवासी, पिछड़े तथा अल्पसंख्यक वर्ग के खिलाफ लगातार अत्याचार हो रहे हैं तथा गरीब और वंचित हैं वो मनुवाद का दंश झेल रहें हैं।

हरिद्वार से श्रीदशनाम आवाहन अखाड़े के सैकड़ों साधुओं का जत्था पवित्र छड़ी लेकर महाकुम्भ के लिए रवाना।

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज में आगामी महाकुम्भ में आस्था की डुबकी लगाने आ रहे करोड़ों श्रद्धालु सनातन की अलख जगाने निकली पवित्र छड़ी का भी दर्शन कर सकेंगे। श्री पंच दशनाम आवाहन अखाड़े के सैकड़ों महात्मा इस पवित्र छड़ी को लेकर प्रयागराज पहुंच रहे हैं। हरिद्वार से यह पावन छड़ी यात्रा शुरू हो चुकी है। छड़ी यात्रा की अगुवाई प्रयाग महाकुम्भ मे आवाहन अखाड़े के दादा जी धुनी वाले श्री महन्त गोपाल गिरी कर रहे हैं। उनका कहना है कि अखाड़े के निर्देशानुसार छड़ी के चार श्री महन्त चुने गए हैं जो उनके साथ चल रहे हैं। आवाहन अखाड़े के साधुओं का जत्था भी साथ है।

यह पवित्र छड़ी यात्रा 1 जनवरी को प्रयागराज महाकुम्भ पहुंचेगी, जहां विभिन्न स्थानों पर इस यात्रा का अखाड़ों के साधु संत और श्रद्धालु स्वागत करेंगे। इस छड़ी यात्रा की शुरुआत के इस साल 1220 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस यात्रा की अगुवाई कर रहे आवाहन अखाड़े के श्री महंत गोपाल गिरी का कहना है कि आदिगुरू शंकराचार्य जी के नेतृत्व मे आज से 1220 वर्ष पूर्व अखाड़ा श्री शम्भू पंच दश नाम आवाहन नागा सन्यासी के 550 महात्माओं और श्री महन्त द्वारा भारत के सनातन धर्म के मन्दिरों का जीर्णोद्धार करने के लिए यह छड़ी यात्रा शुरू की गई थी। इस बार प्रयाग महाकुम्भ में अखाड़ा श्री शम्भू पंच दशनाम आवाहन नागा संन्यासी को 1478 वर्ष हो रहे हैं और 2025 में आवाहन अखाड़ा 123वां महाकुम्भ स्नान करने जा रहा है। उनके साथ यह पवित्र छड़ी भी स्नान करेगी। एक जनवरी 2025 से 27 फरवरी तक यह पवित्र छड़ी प्रयागराज महाकुम्भ में आवाहन अखाड़े के छावनी में दर्शन के लिए रखी जाएगी।

पीएम ने संस्कृत विद्वान फिलियोजात के निधन पर जताया शोक

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। संस्कृत के जाने–माने विद्वान एवं पद्मश्री से सम्मानित डॉक्टर पियरे सिल्वेन फिलियोजात का सोमवार को पेरिस में निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे और कुछ समय से बीमार चल रहे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनके निधन पर शोक जताया है और उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। श्री मोदी ने फ्रांसिसी मूल भारतीय संस्कृत विद्वान् एवं पद्मश्री से सम्मानित डॉक्टर फिलियोजात के निधन पर शोक जताया है और कहा है कि संस्कृत के लोकप्रिय बनाये जाने के प्रयासों के लिये याद किये जायेंगे। डॉ. फिलियोजात मैसूर में रहते थे और उन्हें इलाज के लिये पेरिस ले जाया

गया था, जहाँ उनका निधन हो गया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर शोक संदेश में कहा, श्डॉ. पियरे सिल्वेन फिलियोजात को संस्कृत अध्ययन, विशेषकर संस्कृत साहित्य और व्याकरण के अध्ययन को लोकप्रिय बनाने के उनके अनुकरणीय प्रयासों के लिये याद किया जायेगा। वह भारत और भारतीय संस्कृति से गहराई से जुड़े हुये थे। उनके निधन से मुझे दुख हुआ है। दुख की इस घडी में मेरी संवेदनायें उनके परिवार और प्रियजनों के साथ हैं।" उन्हें इस वर्ष पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

जगजीत सिंह डल्लेवालः पंजाब सरकार को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने पंजाब–हरियाणा सीमा पर एक महीने से अधिक समय से अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल को मेडिकल सहायता देने के अपने आदेश पर अमल करने के लिए पंजाब सरकार को उसके अनुरोध पर मंगलवार को तीन दिन यानी दो जनवरी तक की अतिरिक्त मोहलत दी।

सुधांशु मित्तल ने खो खो विश्वकप का कार्यक्रम जारी किया

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। खो खो विश्वकप आयोजन समिति के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने मंगलवार कहा कि आगामी 13 जनवरी से भारत और नेपाल के बीच मुकाबले से इस टूर्नामेंट की शुरुआत होगी। श्री मित्तल ने आज यहां खो खो विश्वकप का कार्यक्रम जारी करते हुए कहा कि पहला मुकाबला भारत और नेपाल के बीच 13 जनवरी को इन्दिरा गाँधी इंडोर स्टेडियम में शाम सात बजे होगा।

यमन में कैसे फंसी नर्स निमिषा प्रिया

नई दिल्ली,(एजेंसी)। यमन के युवक की हत्या के मामले में भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को मौत की सजा सुनाई गई है। यमन के राष्ट्रपति रशद अल–अलीमी ने मंजूरी दे दी है। उनको एक महीने में फांसी दी जानी है। आइए जानते हैं कि निमिषा प्रिया कौन हैं, वह कैसे यमन में फंस गईं, उनको मौत की सजा क्यों सुनाई गई और अब आगे क्या होगा? यमन के युवक की हत्या के मामले में भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को मौत की सजा सुनाई गई है। यमन के राष्ट्रपति रशद अल–अलीमी ने मंजूरी दे दी है। उनको एक महीने में फांसी दी जानी है। अब भारत सरकार ने भी निमिषा की सजा माफ कराने की कोशिशें तेज कर दी हैं। केंद्र सरकार इस मामले में यमन की सरकार से बात कर सकती है। आइए जानते हैं कि निमिषा प्रिया कौन हैं।

यह वर्ष देगा भारत को विकास की असीम संभावनायें

भारत के लिए नूतन वर्ष 2025 कई क्षेत्रों में बड़ी उपलब्धियों का बड़ा तोहफा लाने वाला साल साबित हो सकता है। भारत डिजिटल अर्थव्यवस्था की तरफ लंबी छलांग लगा सकता है। सॉफ्टवेयर और आईटी सेवाएं देने में भी हम सारे संसार का नेतृत्व करने की स्थिति में पहुंच सकते हैं। इसी तरह भारत विश्वभर के पर्यटकों के लिए एक सुरक्षित और सस्ता आकर्षण का केंद्र भी बन सकता है जहां पर्यटकों की रुचि के तमाम केंद्र, हर तरह के खघन–पान, स्थानीय कुटीर उद्योगों के उत्पाद और गाइड के रूप में अच्छे पढ़े–लिखे बढ़िया अंग्रेजी जानने, बोलने वाले विद्यमान हैं जो एक साथ मुश्किल से ही किसी एक देश में मिल सकते हैं। इनके अलावा भी बहुत सारे क्षेत्रों में हमारे लिए आगे बढ़ने का अनुपम अवसर बन रहे हैं। अब इस बात से सारी दुनिया वाकिफ हो चुकी है कि भारतीय अर्थव्यवस्था डिजिटल होती जा रही है। इस लिहाज से भारत सरकार बेहद गंभीर भी है। इसके तहत ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी, डिजिटल साक्षरता और ई–गवर्नेंस को बढ़ावा दिया जा रहा है और आवश्यक संसाधन भी तेजी से विकसित किये जा रहे हैं। 2025 तक भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में भारी वृद्धि होने की उम्मीद है जिससे ई–कॉमर्स, ऑनलाइन शिक्षा और डिजिटल वित्तीय सेवाओं जैसे क्षेत्रों में तेजी आएगी।

भारत में ई–कॉमर्स का बाजार भी तेजी से बढ़ रहा है। 2025 तक इसके और भी अधिक परिपक्व होने की उम्मीद है, जिसमें ऑनलाइन खरीदारी, डिजिटल भुगतान और लॉजिस्टिक्स में भी पर्याप्त सुधार होगा। डिजिटल भुगतान को भी सरकारी स्तर पर पर्याप्त बढ़ावा दिया जा रहा है। 2025 तक भारत में डिजिटल लेन–देन की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। भारत में 5जी तकनीक के प्रयोग में तेजी से विस्तार हो रहा है। 2025 तक इसका व्यापक रूप से उपयोग होने लगेगा इसकी उम्मीद है जो तेज रफ्तार से इंटरनेट की कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। डिजिटल परिवर्तन के साथ साइबर सुरक्षा भी महत्वपूर्ण हो गई है। 2025 तक भारत इस क्षेत्र में और अधिक मजबूत हो सकता है जो डेटा सुरक्षा और साइबर अपराधों को रोकने में मदद करेगा। इसके साथ ही भारत दुनिया के सबसे बड़े सॉफ्टवेयर विकास और निर्यात केंद्रों में एक बड़ा और मजबूत केंद्र बनकर खड़ा हो चुका है। 2025 तक यह क्षेत्र और अधिक मजबूत होने की उम्मीद है जो विदेशी मुद्रा कमाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत में क्लाउड कंप्यूटिंग का उपयोग बढ़ रहा है। 2025 तक कई संगठन क्लाउड–आधारित समाधानों को अपनाएंगे जो लचीलापन और कम लागत पर असीमित दक्षता प्रदान करेंगे। नए साल में डेटा एनालिटिक्स में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ेगी जो व्यापारिक निर्णय लेने में मदद करेंगे।

आप मानकर चल सकते हैं कि नूतन साल में आईटी पेशेवरों की संख्या बढ़ती ही रहेगी। 2025 तक यह क्षेत्र और अधिक कुशल और प्रशिक्षित पेशेवरों को आकर्षित कर सकता है। सरकारी और निजी क्षेत्र दोनों ही कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। 2025 तक यह प्रयास युवाओं को नए आईटी कौशल सीखने और रोजगार के लिए तैयार करने में मदद कर सकते हैं।अब मेक इन इंडिया के बारे में तो विश्वभर में सब जानते ही हैं। यह पहल भारत को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने पर केंद्रित है। सरकार विदेशी निवेश को आकर्षित करने और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नीतियां बना रही है। 2025 तक भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, फार्मास्युटिकल्स और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में विनिर्माण गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है। रक्षा विनिर्माण में भी सरकार आत्मनिर्भरता हासिल करने पर जोर दे रही है। घरेलू रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। 2025 तक भारत रक्षा उपकरणों का एक प्रमुख निर्यातक बनने की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

नितिन गडकरी के नेतृत्व में भारत सरकार सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों और हवाई अड्डों जैसे परिवहन बुनियादी ढांचे को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। 2025 तक देश में बेहतर परिवहन कनेक्टिविटी होगी जिससे व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। भारत नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों, जैसे सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा के विकास पर जोर दे रहा है। सरकार का लक्ष्य 2025 तक ऊर्जा सुरक्षा हासिल करना और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना है। भारत में शहरीकरण भी तेजी से हो रहा है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत सरकार शहरों को अधिक रहने योग्य और कुशल बनाने के लिए काम कर रही है। 2025 तक स्मार्ट शहरों में बेहतर बुनियादी ढांचे, जल आपूर्ति, स्वच्छता और सार्वजनिक परिवहन जैसी सुविधाएं होंगी। आयुष्मान भारत योजना देश के लाखों लोगों को स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान करती है। सरकार स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने और सभी के लिए सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। 2025 तक भारत में स्वास्थ्य सेवा में सुधार की उम्मीद है, जिसमें बेहतर अस्पताल, डॉक्टरों और दवाओं की पहुंच शामिल है।

भारत में कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ रहा है। ड्रोन, सेंसर और डेटा एनालिटिक्स जैसी तकनीकों से किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने और लागत कम करने में मदद मिल रही है। 2025 तक कृषि क्षेत्र में अधिक डिजिटलीकरण होने की उम्मीद है। भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में तेजी से विकास हो रहा है। यह क्षेत्र किसानों के लिए आय बढ़ाने और खाद्य अपशिष्ट को कम करने में मदद कर सकता है। 2025 तक खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में और अधिक निवेश की उम्मीद है। उम्मीद है कि इस साल सेंसर, ड्रोन और जीपीएस जैसी तकनीकों का उपयोग करके किसान अब मिट्टी, पानी और उर्वरक का अधिक कुशलता से उपयोग करने लगेंगे। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म किसानों को बाजार, मौसम की जानकारी और अन्य महत्वपूर्ण संसाधनों से तो जोड़ ही रहे हैं। सरकार कृषि अनुसंधान और विकास में निवेश कर रही है जिससे नई फसलें, बेहतर कृषि तकनीकें और कीट नियंत्रण के नए तरीके विकसित हो रहे हैं।

स्वास्थ्य की दृष्टि से उत्तम और कम लागत वाली पारंपरिक अन्न पर जोर देकर मोदी सरकार ने छोटे किसानों के लिए दूरगामी योजना तैयार की है । यह अब तक का दुर्भाग्य ही रहा है कि हमारी सभी पूर्ववर्ती सरकारों का ध्यान सिंचित भूमि की कृषि पर ही रहा है जो पिछले 75 वर्षों में और लाखों करोड़ रुपये का व्यय करने और बांधों और परियोजनाओं के निर्माण में लाखों एकड़ भूमि बर्बाद करने के बाद भी हम मुश्किल से 30–35 प्रतिशत भूमि ही सिंचित कर पाए हैं। प्रकृति और पर्यावरण को सुरक्षित रखते हुए बरसात पर निर्भर पारंपरिक अन्न, दलहन और तिलहन की खेती करने वाले छोटे और मध्यम वर्ग के किसानों की चिंता हमने की ही कहां? अब आशा करनी चाहिए कि सतत्‍अनुसंधानों और पारंपरिक फसलों के उत्पादन पर सरकार का ध्यान जाने से किसानों को लाभ होगा। साथ ही मिलेट्स का निर्यात बढ़ेगा और उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य में भी सुधार होगा।

2025 में कृषि क्षेत्र में लंबी छलांग लगाने के संभावित परिणामों की बात करें तो कृषि उत्पादन में वृद्धि से देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होगी। किसानों की आय में वृद्धि से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार होगा। कृषि क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। भारत कृषि उत्पादों का निर्यात करके भारी विदेशी मुद्रा अर्जित कर सकता है। हालांकि, कुछ चुनौतियां भी हैं जिनका समाधान करने की आवश्यकता होगी जैसे, छोटे किसानों को नई तकनीकों और बाजारों तक पहुंच प्रदान करना महत्वपूर्ण है। भूमि और जल संसाधनों का संरक्षण करना आवश्यक है ताकि कृषि उत्पादन को टिकाऊ बनाया जा सके। इन चुनौतियों का समाधान करके भारत 2025 में कृषि क्षेत्र में लंबी छलांग लगा सकता है और एक मजबूत और टिकाऊ कृषि प्रणाली विकसित कर सकता है। शिक्षा के लिए भी 2025 बेहद अहम हो सकता है। सरकार ने हाल ही में एक नई शिक्षा नीति शुरू की है, जिसका उद्देश्य शिक्षा प्रणाली में सुधार करना है। यह नीति कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा और अनुसंधान पर केंद्रित है। 2025 तक नई शिक्षा नीति से शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आने की उम्मीद है। ऑनलाइन शिक्षा का महत्व तेजी से बढ़ रहा है। 2025 तक ऑनलाइन शिक्षा और अधिक सुलभ और किफायती होने की उम्मीद है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि भारत 2025 तक एक आर्थिक महाशक्ति बनने की राह पर है। डिजिटल अर्थव्यवस्था, विनिर्माण, बुनियादी ढांचा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में प्रगति से देश के विकास को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, सरकार को अभी भी गरीबी, असमानता और पर्यावरणीय चुनौतियों जैसी कई समस्याओं का समाधान करना बाकी है।

नववर्ष है कल की रचनात्मक तस्वीर के रेखांकन का

ललित गर्ग

नववर्ष मुड़कर एक बार अतीत को देख लेने एवं भविष्य को बुनने का स्वर्णिम अवसर। क्या खोया और क्या पाया इस गणित को विश्लेषित करने एवं आने वाले कल की रचनात्मक तस्वीर के रेखांकन का प्रेरक क्षण। क्या बनाना है और क्या मिटाना है, इस अन्वेषणा में संकल्पों की सुरक्षा पंक्तियों का निर्माण करने के लिये अभिप्रेरित करने की चौखट है– नववर्ष। 'आज', 'अभी', 'इसी क्षण' को पूर्णता के साथ जी लेने के जागृति का शंखनाद है नववर्ष। बीते कल का अनुभव और आज का पुरुषार्थ ही भविष्य का भाग्य रच सकता है इसीलिये नववर्ष के उत्सव की प्रासंगिकता को नकारा नहीं जा सकता। इसीलिये वर्ष 2024 की निराशाओं, असफलताओं एवं नाउम्मीदों पर पश्चाताप करने की बजाय उम्मीद, आशा एवं जिजीविषा को जीवंत करें। भले ही पछतावा जीवन का एक ऐसा सत्य है, जिसे नकारा नहीं जा सकता। हालांकि हमें यह सलाह दी जाती है कि अतीत में क्या हुआ, क्या खोया एवं क्यों संकल्प पूरे नहीं हुए, इस पर पछताना ठीक नहीं। बीती बातों को याद करके दुखी होने से केवल मानसिक तनाव, निराशा एवं असंतोष ही उत्पन्न होगा। फिर भी, हम पछतावे को हमारी जीवन यात्रा का अहम हिस्सा मानते हुए नववर्ष का स्वागत नये उजालों से करते हुए इसे प्रेरणा पर्व बनाये।

नए की स्वीकृति के साथ पुराने को अलविदा कहने की इस संधिबेला में किंपलिंग की विश्व प्रसिद्ध पंक्ति याद आ रही है–'पूर्व और पश्चिम कभी नहीं मिलते।' पर मैं देख रहा हूं कि पुराना और नया मिलकर संवाद स्थापित कर रहे हैं। जाता हुआ पुराना वर्ष नये वर्ष के कान में कह रहा है, 'मैंने आंधियाँ अपने सीने पर झेली हैं, तू तूफान झेल लेना, पर मन के विश्वास को टूटने मत देना, संकल्प के दीपक को बुझने मत देना।' नये भारत के इक्कीसवीं शताब्दी के इस रजत जयन्ती वर्ष में इसी विश्वास को जीवंतता देने के लिये अपनी अनुकरणीय योजनाओं के साथ देश एवं दुनिया में सक्रिय होना है और अनूठा करना है। उसके लिये विश्वास एवं संकल्प वे छोटी–सी किरणें हैं, जो सूर्य का प्रकाश भी देती है और चन्द्रमा की ठण्डक भी। और सबसे बड़ी बात, वह यह कहती है कि 'अभी सभी कुछ समाप्त नहीं हुआ। अभी भी सब कुछ ठीक हो सकता है।' मनुष्य मन का यह विश्वास कोई स्वप्न नहीं, जो कभी पूरा नहीं होता। इस तरह का संकल्प कोई रणनीति नहीं है, जिसे कोई वाद स्थापित कर शासन चलाना है। यह तो इंसान को इन्सान बनाने के लिए ताजी हवा की खिड़की है।

जाते हुए वर्ष को अलविदा कहते हुए नए वर्ष की दस्तक आह्वान कर रही है कि अतीत की भूलों से हम सीख लें और भविष्य के प्रति नए सपने, नए संकल्प बुनें। अतीत में जो खो दिया उसका मातम न मनाएं। हमारे भीतर अनन्त शक्ति का स्रोत बह रहा है। समय का हर टुकड़ा विकास एवं सार्थक जीवन का आईना बन सकता है। हम फिर से वह सब कुछ पा सकते हैं, जिसे अपनी दुर्बलताओं, विसंगतियों, प्रमाद या आलस्यवश पा नहीं सकते थे। मन में संकल्प एवं संकल्पना जीवंत बनी रहना जरूरी है। हर बार संकल्प पूरे हों, यह बिल्कुल जरूरी नहीं, क्योंकि जज्बा तब तक लोहा भर है, जब तक मन में दृढ़ता का बसेरा न हो। दृढ़ता आए तो यही जज्बा इस्पात बन जाता है। इसी जज्बे के साथ नये भारत के निर्माता समस्त विश्व के लोगों में एक दूसरे के प्रति विश्वास की भावना उत्पन्न करने, अच्छे नागरिकों का निर्माण करने, समस्त मानवता को मित्रता, भाई–चारे और विश्वास में बांधने के लिये तत्पर है। नैतिक एवं सौम्य गुणों को बढ़ावा देना, परोपकार, जनसेवा एवं समाज उत्थान के लिये व्यापक योजनाओं को आकार देने के लिये अग्रसर

हैं, जिन्हें नये वर्ष में आसमानी ऊंचाई देने की प्रतिबद्धता है।

दुनिया में कुछ ही ऐसे भाग्यशाली लोग होते हैं, जिनके जीवन में पछतावा नहीं होता या बहुत कम होता है, क्योंकि वे जीवन को अपने तरीके से जीते हैं। युवावस्था में जीवन की गति तेज होती है। तब इतनी सारी चुनौतियां सामने होती हैं और इतने सारे विकल्प कि आगे बढ़ने की कोशिश में पछताने का वक्त नहीं मिलता। लेकिन जैसे–जैसे हम बूढ़े होते हैं और जीवन की गति धीमी होती जाती है, हम अतीत की सफलताओं–असफलताओं, हर्ष–विषाद, सुख–दुख, उन्नति–अवनति आदि चीजों पर सोचने लगते हैं। यह समय आत्मनिरीक्षण का होता है, जिसमें हम अपने जीवन की यात्रा और उसके अनुभवों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। भीष्म पितामह जैसी शख्सियत को भी मृत्यु शैय्या पर पछतावा था कि उन्होंने अधर्म का साथ दिया। जीवन भर के उनके अच्छे कर्म उस समय याद नहीं आ रहे थे, और वह अपने एक निर्णय के कारण अपने जीवन के अंतिम क्षणों में पछता रहे थे। लेकिन हमें पछतावे से जीवन को धुंधलाना नहीं हैं, बल्कि नये संकल्पों से आगे बढ़ना है।

आप अपनी जिंदगी किस तरह जीना चाहते हैं? यह तय होना जरूरी है, आखिरकार जिंदगी है आपकी! दरअसल, जीवन एक व्यवस्था है। ऐसी व्यवस्था, जो जड़ नहीं, चेतन है। स्थिर नहीं, गतिमान है। इसमें लगातार बदलाव भी होने है। जिंदगी की अपनी एक फिलासफी है, यानी जीवन–दर्शन। सनातन सत्य के कुछ सूत्र, जो बताते हैं कि जीवन की अर्थवत्ता किन बातों में है। ये सूत्र हमारी जड़ों में हैं–पुरातन ग्रंथों में, हमारी संस्कृति में, दादा–दादी के किस्सों में, लोकगीतों में। जीवन के मंत्र ऋचाओं से लेकर संगीत के नाद तक समाहित है। हम इन्हें कई बार समझ लेते हैं, ग्रहण कर पाते हैं तो कहीं–कहीं भटक जाते हैं और जब–जब ऐसा होता है, जिंदगी की खूबसूरती गुमशुदा हो जाती है। जीवन का एक–एक क्षण जीना है– अपने लिए, दूसरों के लिए यह संकल्प सदुपयोग का संकल्प होगा, दुरुपयोग का नहीं। बस यहीं से शुरू होता है नीर–क्षीर का दृष्टिकोण। यहीं से उठता है अंधेरे से उजाले की ओर पहला कदम। सच तो यह है कि नई जिन्दगी की शुरुआत ही नया वर्ष है। समझदार लोगों के लिये नववर्ष का जश्न पछतावा नहीं, बल्कि आभार जताने का मौका देती है। उन सबके लिये आभार, जिनसे हमने सीखा एवं पाया है। आभार एवं कृतज्ञता उन रास्तों के लिये, जो हमारे लिये आशीर्वाद बन गये और उस शांत यकीन के लिये जो बताता है कि जिन्दगी की अनिश्चितताओं में भी एक दैवीय व्यवस्था काम करती है हमारी नाउम्मीदी को उम्मीद में बदलने के लिये।

नववर्ष की याद दिलाने वाली एक बात यह है कि हालात चाहे कितने भी मुश्किल क्यों न हो, कहीं–न–कहीं कोई है जो हमारे लिये चीजों को आसान बनाने पर काम कर रहा है। ब्रह्माण्ड की जिस भी शक्ति को आप मानते हैं, वह आपके लिये, दोस्तों, परिवारजनों, अजनबियों और दैनंदिन के कामों के लिये एक रास्ता तैयार कर रही है, यही आपको मंजिल तक ले जायेगा। इसलिये थोड़ा रुके, सोचे, हौसल्लों को जीवंतता दे और फिर नयी शुरुआत करें। जान ले कि आप अकेले नहीं है और वह अदृश्य शक्ति एवं आस्था आपको मंजिल तक पहुंचाने में जुटी है। जीवन को केवल पीछे मुड़कर समझा जा सकता है, लेकिन इसे आगे बढ़कर जीना भी पड़ता है। हम अपनी बातों और कार्यों की जिम्मेदारी लें, लेकिन कभी भी इन्हें अपने मन में इतना भारी न होने दें कि वे हमारे विकास को रोकें। यह महत्वपूर्ण है कि हम हार से सीखें और उन्हें अपने अनुभव का हिस्सा बनाएं, ताकि और अधिक समझदारी से जीवन में आगे बढ़ सकें और जीत को गले लगा सके। प्रयास यही रहे कि हमारे विकास में यह रुकावट न डाल पाए। जाते हुए वर्ष को अलविदा कहने एवं नये वर्ष का स्वागत करने की यह चौखट कल्पना, ईमानदारी और आत्ममंथन की मांग करती है, जिससे हम अपने जीवन के फैसलों को और अधिक सटीक और तर्कसंगत बना सकते हैं। नए साल की शुरुआत जीवनशैली में बदलाव करने, बुरी आदतों को छोड़ने और अपने संकल्प को बेहतर बनाने के लिए एक बेहतरीन समय है। नए साल के सबसे लोकप्रिय संकल्पों में अधिक महत्वपूर्ण है अपने आत्मविश्वास को कमजोर न होने देना।

अमित शाह की रणनीति से नक्सलवाद पर लगाम

उमेश चतुर्वेदी

बीते वक्त में क्या खोया और क्या पाया, हर नए साल के साथ इसके मूल्यांकन की परंपरा है। इस लिहाज से अगर बीते हुए यानी साल 2024 का मूल्यांकन करेंगे तो कई बिंदुओं पर हमें निराशा हाथ लगेगी तो कई उपलब्धियों और कामयाबियों का भी जिक्र होगा। लाल आतंक के रूप में विख्यात नक्सलवाद पर नकेल बीते हुए साल की उपलब्धि कही जा सकती है। इसका श्रेय निश्चित तौर पर गृहमंत्री अमित शाह को जाता है, लेकिन इसमें भूमिका राज्यों की भी कम नहीं रही है।

बीते साल सुरक्षा बलों की कार्रवाई में भारी संख्या में नक्सली या तो मारे गए हैं या फिर गिरफ्तार किए गए हैं। इसके साथ ही कई नक्सलियों ने समर्पण करके मुख्यधारा की जिंदगी को अपनाया है। नक्सली आतंक पर कामयाबी के पीछे रही तीन–स्तरीय रणनीति, जिसके तहत सबसे पहले नक्सलियों पर समर्पण का दबाव बनाया गया। अगर इसके बावजूद नक्सली नहीं मानता तो उसकी पहले गिरफ्तारी के लिए रणनीति बनाई गई। इसके बावजूद अगर नक्सलवादी नहीं माने तो उनके खिलाफ निर्णायक मुठभेड़ की तैयारी की गई। इसी का असर रहा कि बीते साल अकेले छत्तीसगढ़ राज्य मे ही करीब एक हजा से ज्यादा नक्सलियों ने या तो आत्मसमर्पण किया या फिर उनकी गिरफ्तारी की गई है, जबकि करीब 287 नक्सली मारे गए। इनमें झारखंड में मारे गए नक्सलियों की संख्या सिर्फ नौ रही, जबकि सबसे ज्यादा नक्सली छत्तीसगढ़ में मारे गए। झारखंड में इसी तरह एक सैक मेम्बर, दो जोनल कमांडर, छह सब जोनल कमांडर और छह एरिया कमांडर गिरफ्तार किए गए। इन सभी नक्सलियों पर 36 लाख का इनाम घोषित था। छत्तीसगढ़ की कमर सबसे ज्यादा उस छत्तीसगढ़ में टूटती नजर आ रही है, जहां नक्सलियों कभी कांग्रेस के तकरीबन समूचे राज्य नेतृत्व को खत्म कर दिया था। छत्तीसगढ़ में करीब 867 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

नक्सलवाद के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारण नक्सल प्रभावित इलाकों में बुनियादी ढांचे की कमी को माना जाता रहा है। नक्सलवाद का समूल नाश करने के लिए मौजूदा केंद्र सरकार ने सबसे पहले इसी समस्या को खत्म करने पर जोर दिया। इसके तहत केंद्र सरकार ने विकास और बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान केंद्रित किया । बस्तर समेत तमाम नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के हजारों गांवों को सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं से जोड़ा गया। इन गांवों में बुनियादी सहूलियतों को बहाल किया गया। इसकी वजह से इन इलाकों के स्थानीय निवासियों की जिंदगी की कठिनाइयां कम हुईं। इसकी वजह से उन्होंने विकास की धारा को अपनी आंख से देखा और भारतीय राष्ट्र राज्य के बारे में उनकी धारणा बदली। इस धारणा को बदलने के बाद सुरक्षा बलों के लिए नक्सलियों को रोकने के लक्ष्य में बड़ी सफलता मिली। नक्सलियों को लोक समर्थन कम हुआ। इसके साथ ही सरकार ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए आर्थिक सहायता और पुनर्वास योजनाओं की शुरुआत की। इसके तहत 15,000 आवास बनाने का फैसला लिया गया, साथ ही नक्सल प्रभावित इलाकों में रोजगार को लेकर विशेष योजनाएं चलाई गईं। इससे न केवल हिंसा में कमी आई , बल्कि स्थानीय लोगों की जिंदगी की दुश्वारियां कम हुईं। इसकी वजह से उन लोगों का मन बदला, जो माओवाद की राह पर नक्सलवादी वैचारिक बहकावे में चल पड़े थे। बुनियादी ढांचा सुधारने, रोजगार की स्थितियां बेहतर बनाने और विकास की धारा को बहाने के बावजूद लंबे समय से नक्सल प्रभावित रहे लोगों के लिए मुख्यधारा में लौटना या मुख्यधारा के प्रति भरोसा बनाना बिना सुरक्षा सुनिश्चित किए संभव नहीं था। सरकार ने इस मोर्चे पर भी काम किया और सुरक्षा बलों की प्रभावी उपस्थिति हर संभव स्तर पर की।

आप सभी को नववर्ष एवं मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं

मो शोएब
सभासद
नगर पंचायत लालगोपालगंज
प्रयागराज

आप सभी को नववर्ष एवं मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं

राहुल कुमार अग्रवाल 'लोकप्रिय'
वरिष्ठ समाज सेवी, पूर्व सभासद नगर पंचायत
लालगोपालगंज
प्रयागराज

डॉ ज्ञानार्जन अग्रवंशी
फोर्टिस अस्पताल
नई दिल्ली
नगर पंचायत
लालगोपालगंज
प्रयागराज

नन्हें मुन्ने बच्चों को पाकर खिल उठे वृद्धाश्रम के बुजुर्गों के चेहरे

कौशाम्बी। माइंड प्लस एजुकेशन सिराथू के बच्चे व शिक्षकों की टीम ओसा स्थित वृद्धाश्रम पहुंची। इस दौरान बच्चों को अपने बीच पाकर व उनकी ठिठोली सुनकर वृद्धजनों को अपने पोते–पोतियों की याद आ गई। बच्चों के हाथों ठंड से बचाव के लिए मोजा व कम्बल पाते हुए सभी वृद्धजन भावुक हो उठे। सोमवार को माइंड प्लस एजुकेशन सिराथू के बच्चे टीचर दीक्षा सेट्टी व स्टाप के साथ ओसा स्थित वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों को ठंड से बचाव के लिए कम्बल व मोजे का वितरण करने पहुंचे। रंग–बिरंगे कपड़ों में बुजुर्गों ने बच्चों को देखा और उनकी ठिठोली व अन्य हरकतों पर उनकी नजर पड़ी तो वह भावुक नजर आये। उन्हें अपने पोते व पोतियों की याद आ गई और कुछ पल के लिए उनका गला रूंध गया।

सभासद ने बनवाई क्रासिंग, छाई खुशी

लालगोपालगंज– प्रयागराज। नगर पंचायत लालगोपालगंज में वार्ड नम्बर 2 कलेक्टरगंज की सीमा पर स्थित शमीम हवाईदार के सामने नाले पर क्रासिंग का निर्माण कराया गया है। इससे वार्डवासियों को सुविधाएं मिली हैं। क्रासिंग निर्माण में सभासद मो शोएब की महत्वपूर्ण भूमिका है। बताया जाता है कि क्रासिंग के अभाव में राहगीरों समेत स्कूली बच्चों को घोर परेशानी होती थी। क्रासिंग निर्माण के बाद वार्डवासियों ने सभासद मो शोएब के प्रति आभार जताया है।

आप सभी को नववर्ष एवं मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं
मिश्रा डेन्टल क्लीनिक
निकट पुलिस चौकी, लालगोपालगंज, प्रयागराज
डॉ.हिमांशु मिश्र
(B.D.S.M.I.D.A)

मिलने का समयः सुबह 9 बजे से रात 8 बजे तक
डिजिटल एक्सरे की सुविधा उपलब्ध है।
दिन सोमवार, मंगलवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार, शनिवार
गुप्ता ऑप्टिकल्स
मेहता रोड, भरवारी, कौशाम्बी
दिनः रविवार एवं बुधवार
रविवार सुबह 10 से शाम 4 बजे तक

आप सभी को नववर्ष एवं मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं

जितेंद्र सरोज
पुत्र सियाराम सरोज, अध्यक्ष प्रधान संघ ब्लाक श्रृंगवेरपुरधाम
श्रीमती सुनंदा देवी
पूर्व सदस्य जिला पंचायत प्रयागराज प्रबंधक के डी आर पी विद्यालय पटना उपहार सभी समस्त क्षेत्रवासियों को
गणतंत्र दिवस की शुभकामनाए

आप सभी को नववर्ष एवं मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं
संजय तिवारी

अध्यक्ष श्रगवेरपुर महोत्सव जय श्री राम सेवा समिति श्रगवेरपुर प्रयागराज उत्तर प्रदेश
राष्टीय कार्यकारिणी अध्यक्ष हिंदू युवा क्रांतिकारी संघ प्रयागराज अध्यक्ष ट्रस्टी मुख्य न्यासी शनिदेव सेवाश्रम सिद्ध पीठ ट्रस्ट शिव रतन सिंह का पूरवा बिजलीपुर श्रगवेरपुर प्रयागराज सचिव श्री सीताराम सेवा संस्थान गऊघाट श्रगवेरपुर प्रयागराज

आप सभी को नववर्ष एवं मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं
सुमेरा देवी पटेल इंटर मीडिएड कॉलेज
चैनी का पुरवा पटेल नगर लाल लालगापोलगंज प्रयागराज

विक्रम पटेल
संचालक (संरक्षक)

आप सभी को नववर्ष एवं मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं
नफीस अहमद

सभासद–वार्ड नंबर 15 नगर पंचायत लाल गोपालगंज प्रयागराज

आप सभी नगर वासियों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
दिनेश सिंह पंकज

प्रबंधक भारत गैस सर्विस तिराहा लालगोपालगंज प्रयागराज

आप सभी को नववर्ष एवं मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं
डा इबरार अहमद
नगर पंचायत लालगोपालगंज प्रयागराज

आप सभी को नववर्ष एवं मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रदीप कुमार केसरवानी
कोटेदार–नगर पंचायत, लालगोपालगंज प्रयागराज

आप सभी को नववर्ष एवं मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं
उमेश चन्द्र द्विवेदी
महामंत्री
राष्ट्रीय रामायण मेला श्रंङ्गवेश्पुर धाम प्रयागराज उ0प्र0

आप सभी को नववर्ष एवं मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं
कृष्ण कुमार
(वरिष्ठ लिपिक) नगर पंचायत लालगोपालगंज– प्रयागराज

आप सभी को नववर्ष एवं मकंर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ शमसुस्सलाम कुद्दूसी

पूर्व चेयरमैन नगर पंचायत लालगोपालगंज प्रयागराज

आप सभी को नववर्ष एवं मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं
गुरुप्रसाद मौर्य
विधायक 254 फाफामऊ

डॉ राज कुशवाहा

मण्डल अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा, भारतीय जनता पार्टी
एवम प्रबंधक निर्देशक कन्सेप्ट कन्वेंट स्कूल एण्ड कालेज सम्राट अशोक नगर लाल गोपालगंज प्रयागराज

फौजी कान्वेंट मांटेसरी स्कूल
नगर पंचायत लालगोपालगंज
आप सभी को नववर्ष एवं मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं
मो.अर्श
हाजी फुजेल अहमद, प्रबन्धक

आप सभी को नववर्ष एवं मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं

सीता राम इंटरमीडिएट कॉलेज
अखयराजपुर लालगोपालगंज, प्रयागराज
सुभाष चंद्र यादव
प्रबंधक
आप सभी को नववर्ष एवं मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं

आप सभी को नववर्ष एवं मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं
मो० दानिश फारूकी
नं.पं. लालगोपालगंज
मो0नं0. 9452493659

आप सभी नगर वासियों को नववर्ष २०२५ की हार्दिक शुभकामनाए

मारुति नंदन तिवारी
चौकी प्रभारी शृंग्वेरपुरधाम थाना नवाबगंज प्रयागराज

मम मिनरल वाटर व हिन्दुस्तान पेट्रोलियम की तरफ से नववर्ष की ढेर सारी शुभकामनाएं
शिवांशु पाण्डेय

9455480236
निकट रेलवे स्टेशन लालगोपालगंज, प्रयागराज

आप सभी को नववर्ष एवं मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं
मुस्ताक अहमद
वरिष्ठ पत्रकार नगर पंचायत लालगोपालगंज प्रयागराज

आप सभी को नववर्ष एवं मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं

आफ़ताब आलम उर्फ पप्पू कुरैशी
वरिष्ठ समाज सेवी एवं भाजपा नेता नगर पंचायत लालगोपालगंज प्रयागराज

आप सभी नगर वासियों को नववर्ष २०२५ की हार्दिक शुभकामनाए

शरद सिंह
चौकी प्रभारी पुलिस चौकी लाल गोपालगंज थाना नवाबगंज जनपद प्रयागराज

शैक्षिक प्रदर्शनी का आयोजन।

प्रयागराज। सिविल लाइन्स स्थित ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज में सोमवार को को शैक्षिक प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रो जया कपूर जनसंपर्क अधिकारी इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने माँ सरस्वती के सम्मुख दीपार्चन एवं पुष्पार्चन से किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष डा0 रघुराज सिंह एवं विशिष्ट अतिथि विद्या भारती काशी प्रान्त के प्रदेश निरीक्षक शेषधर द्विवेदी एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य विक्रम बहादुर सिंह परिहार उपस्थित रहें। तत्पश्चात् विद्यालय के यशस्वी प्रधानाचार्य श विक्रम बहादुर सिंह परिहार ने अतिथियों का परिचय एवं सम्मान कराया गया। इस प्रदर्शनी में छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया एवं एक से बढ़कर एक मॉडल एवं प्रदर्श प्रस्तुत किये। कार्यक्रम की अगली कड़ी में आये हुये अतिथि एवं निर्णायक बंधुओं ने भैया बहनों द्वारा लगाये गये। कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा विभिन्न मॉडलों का सूक्ष्म अवलोकन किया। इस प्रदर्शनी में गणित, विज्ञान, भाषा, कॉमर्स, कम्प्यूटर, सामाजिक विज्ञान आदि विषयों के लगभग 500 से अधिक मॉडल लगाये गये थे।

मंगलवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संगम का दुग्ध से अभिषेक किया।

योगी आदित्यनाथ ने बाघवा स्थित श्री लेटे बड़े हनुमान का पूजन करते हुए। साथ में मंदिर प्रबंधक बलवीर गिरी जी महाराज।

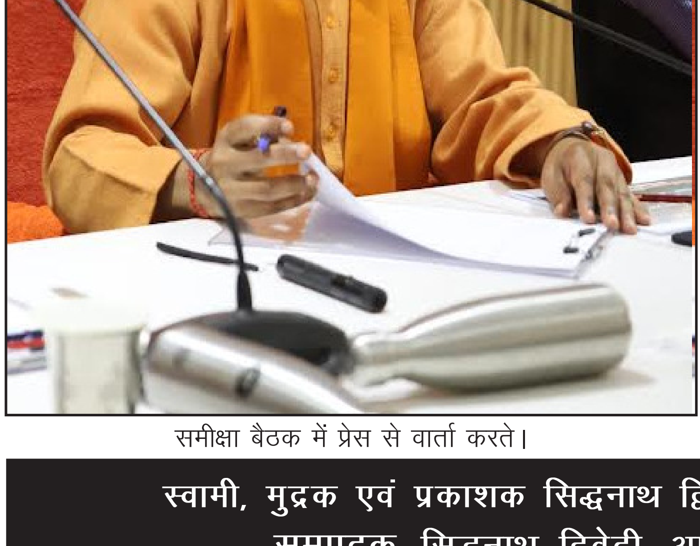

समीक्षा बैठक में प्रेस से वार्ता करते।

हर पार्किंग स्थल पर चौकी और पब्लिक एड्रेस सिस्टम की होगी व्यवस्थाः योगी आदित्यनाथ

महाकुम्भ नगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रयागराज में महाकुम्भ के दृष्टिगत समीक्षा बैठक के बाद पत्रकार वार्ता में एक बार फिर प्रयागवासियों से आतिथ्य सेवा के साथ ही महाकुम्भ के दौरान स्वच्छता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करने की अपील की। उन्होंने नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सबके सहयोग से महाकुम्भ को पूरी भव्यता के साथ यहां पर आयोजित करने का गौरव न सिर्फ डबल इंजन सरकार को बल्कि प्रयागराज वासियों को भी प्राप्त होने जा रहा है। प्रयागराज वासियों से अपील होगी कि स्वच्छता और आतिथ्य सेवा का जो उदाहरण उन्होने 2019 कुम्भ में प्रस्तुत किया है, उससे अच्छा अवसर इस बार उनके सामने आ रहा है। इस बार भी हमारा प्रयागराज आतिथ्य सेवा के साथ–साथ स्वच्छता का भी एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करेगा। प्रयागराज मेला प्राधिकरण स्थित आईसीसीसी सभागार में समीक्षा बैठक करने के बाद सीएम योगी ने पत्रकारों के साथ संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रकृति और परमात्मा की कृपा से, भगवान प्रयागराज, द्वादश माधव और मां गंगा और मां यमुना की कृपा से महाकुम्भ का यह आयोजन सकुशल संपन्न हों, इसके लिए आज यहां बैठक की गई है। उन्होंने बताया कि प्रयागराज सिटी का कायाकल्प लगभग पूरा हो चुका है। 200 से अधिक सड़कों का निर्माण हुआ है। इन्हें सिंगल से डबल लेन, डबल लेन से फोर लेन, फोरलेन से सिक्स लेन बनाया जा चुका है। 14 फ्लाईओवर या आरओबी में से 13 कंप्लीट हो गए हैं और एक फाइनल स्टेज की तरफ बढ़ रहा है। सिटी के अंदर सौंदर्यीकरण के कई कार्य किए गए हैं। सिटी के अंदर यह भी व्यवस्था की गई है कि रेलवे स्टेशनों पर भी होल्डिंग एरिया हों और उसके बाहर भी। उन्होंने कहा कि मेला प्राधिकरण ने यहां पर लगभग 5000 एकड़ क्षेत्रफल में प्रयागराज को जोड़ने वाले मार्गों पर संगम से 2 से 5 किलोमीटर की दूरी पर पार्किंग स्पेस भी चिन्हित करके उन्हें सक्रिय कर दिया है। हर पार्किंग स्थल पर चौकी भी होगी, सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था भी होगी और पब्लिक एड्रेस सिस्टम भी होगा। उन्होंने बताया कि 2019 में पहली बार पांटून ब्रिज की संख्या को बढ़ाकर 22 किया गया था, जिसे इस बार महाकुम्भ को देखते हुए 30 कर दिया गया है। इसमें 28 बनकर तैयार हो गए हैं और दो अगले तीन–चार दिन के अंदर बनकर तैयार होंगे। 12 किलोमीटर का अस्थाई घाट यहां पर तैयार किया जा रहा है और सभी लगभग तैयार हैं। अरैल की ओर भी एक पक्का घाट बन रहा है, जिसे अगले दो–तीन दिन के अंदर कंप्लीट कर लिया जाएगा। चेकर्ड प्लेट यहां पर लगभग 530 किलोमीटर के दायरे में बिछाई जा चुकी है और इसी प्रकार से शुद्ध पेयजल के लिए 450 किलोमीटर की पाइलाइन बिछाई जा चुकी है। उन्होंने कहा कि मेला लगभग अपना शेप ले चुका है। 7000 से अधिक संस्थाएं अब तक आ चुकी हैं। डेढ़ लाख से अधिक टेंट की व्यवस्था मेला प्राधिकरण की ओर से की गई है। देश और दुनिया प्रयागराज कुम्भ में आने के लिए उत्सुक है। लोग उत्तर प्रदेश और देश के इस सबसे बड़े आध यात्मिक और धार्मिक समागम को अपनी आंखों से देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि 144 वर्ष के बाद महाकुम्भ का यह मुहूर्त आ रहा है और इसके लिए हर प्रकार की व्यवस्थाएं डबल इंजन सरकार यहां युद्धस्तर पर कर रही है। सीएम योगी ने कहा कि 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा का पहला स्नान यहां पर संपन्न होगा। मकर संक्रांति यानी 14 जनवरी को दूसरा स्नान होगा जो अमृत स्नान भी होगा। 29 जनवरी को मौनी अमावस्या का स्नान होगा, जो मुख्य स्नान में से एक है, जिसमें सबसे ज्यादा भीड़ आएगी। हमारा अनुमान है कि इस दिन 6 से 8 करोड़ श्रद्धालु यहां पर आएंगे और उस अमृत स्नान में सहभागी बनेंगे। यह एक बहुत पवित्र मुहूर्त भी होगा। 3 फरवरी बसंत पंचमी है, फिर 12 फरवरी और 26 फरवरी, यह दो अतिरिक्त स्नान समेत यहां पर कुल छह स्नान होने हैं। मुख्य स्नान के दिन कोई भी प्रोटोकॉल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि प्रमुख स्नान के अवसर पर पूज्य संतों के लिए, श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए पुष्प वर्षा की व्यवस्था भी रहेगी।

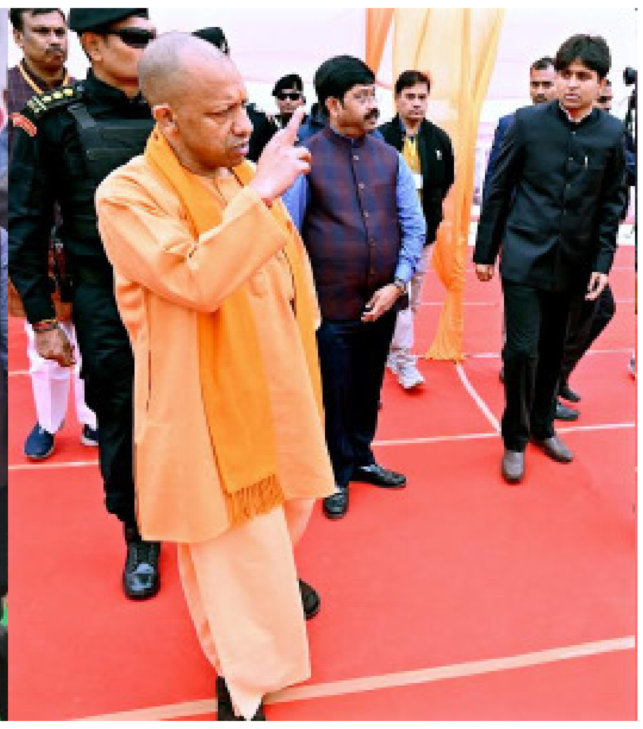

तीन नहीं, छह घंटे तक लिया जा सकेगा जनरल टिकट का रिफंड, मौनी अमावस्या पर चलेंगी 360 स्पेशल ट्रेनें

प्रयागराज । महाकुंभ के दौरान इस बार रेलवे एक विशेष व्यवस्था करने जा रहा है। महाकुंभ के मौके पर अगर कोई यात्री प्रयागराज के किसी भी स्टेशन से जनरल टिकट खरीदता है और किन्हीं कारणों से अगर उसे अपनी यात्रा निरस्त करनी है तो वह टिकट लेने के छह घंटे के अंदर उसका रिफंड ले सकेगा। अभी तक टिकट लेने के तीन घंटे के अंदर ही रिफंड लिए जाने की व्यवस्था है। उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक उपेंद्र चंद्र जोशी का कहना है कि महाकुंभ के मौके पर यह व्यवस्था पहली बार लागू की जा रही है। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय सभागार में महाकुंभ–2025 को लेकर रेलवे द्वारा की जा रहीं तमाम तैयारियों के बारे में बताते हुए महाप्रबंधक ने कहा कि इस बार 15 दिन पूर्व यात्री रिटर्न जनरल टिकट की सुविधा का लाभ ले सकते हैं। अभी तीन दिन पूर्व ही रिटर्न टिकट लिए जाने की सुविधा है। महाप्रबंधक ने डीआरएम हिमांशु बडोनी व उत्तर मध य रेलवे के अन्य महत्वपूर्ण अफसरों की मौजूदगी में बताया कि महाकुंभ के दौरान एक करोड़ से अधिक यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए रेलवे ने इस बार अभूतपूर्व तैयारी की है। 45 दिन में कुल 13,234 ट्रेनें संचालित करने की योजना है। इसमें 560 रिंग रेल सेवाएं भी शामिल हैं। मौनी अमावस्या के मौके पर होगा 360 स्पेशल ट्रेनों का संचालन महाप्रबंधक ने बताया कि महाकुंभ के सबसे बड़े स्नान पर्व मौनी अमावस्या के मौके पर 360 स्पेशल ट्रेनें चलाए जाने की योजना है। कहा कि सिर्फ अमावस्या के दिन ही 132 स्पेशल ट्रेन चलाए जाने की योजना है। पर्व के एक दिन पूर्व और एक दिन बाद भी स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। मौनी अमावस्या पर्व पर 15 लाख यात्रियों के सफर करने का अनुमान है। अगर संख्या बढ़ती है तो रेलवे द्वारा अतिरिक्त ट्रेनें बढ़ा दी जाएंगी। पिछले कुंभ में ट्रेन के माध्यम से सफर करने वाले यात्रियों में से 45–50 फीसदी ने प्रयागराज जंक्शन से सफर किया था। महाप्रबंधक ने बताया कि उसी हिसाब से महाकुंभ में प्रयागराज जंक्शन पर तैयारी की गई है। उन्होंने बताया कि 18 फीसदी यात्रियों ने प्रयाग, फाफामऊ और 12 फीसदी ने झूंसी और प्रयागराज रामबाग स्टेशन से और शेष 20 फीसदी यात्रियों ने शहर के अन्य स्टेशनों से सफर किया। इस बार इन आंकड़ों के आधार पर व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया गया है। महाकुंभ को देखते हुए नाइट पेट्रोलिंग बढ़ा दी गई है। महाकुंभ के दौरान लंबी दूरी की ट्रेनों में सुरक्षाकर्मी भी तैनात रहेंगे। इसके अलावा रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा के लिए 18,000 अतिरिक्त फोर्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आध ारित सुरक्षा तंत्र लगाया है। सीसीटीवी कैमरों के जरिये निगरानी होगी और संदिग्धों की पहचान के लिए एआई फोटो पहचान प्रणाली का उपयोग किया जाएगा।

वैदिक मंत्रों से नये साल का स्वागत

प्रयागराज। झूसी स्थित श्री परमानन्द आश्रम में संचालित श्रीस्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय में वेद छात्रों ने सस्वर वैदिक मंत्रों का उच्चारण कर नये साल का स्वागत किया। वेदाचार्यों की देखरेख में श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय में हवन की आहुति के जरिये 2024 का आभार और 2025 के मंगलमय होने की कामना की गई तथा मानवता एवं विश्व कल्याण के लिए स्वस्ति वाचन एवं शांति करणम् मंत्रों का पाठ हुआ। इस अवसर पर हरिद्वार से पधारे संत एवं संस्था के उपाध्यक्ष स्वामी शरद पुरी ने बताया कि महाकुंभ के दौरान आम श्रद्धालुओं के लिए विशेष रूप से नियमित वेद मंत्रों का पाठ किया जाएगा। वेद मंत्रों के उच्चारण से वातावरण शुद्ध होता है और व्यक्ति के मन, शरीर व आत्मा पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद सनातन धर्म की आधारशिला हैं। इनकी रचना वैदिक काल में हुई, जब ऋषियों ने ब्रह्माण्ड के रहस्यों को समझने के लिए तपस्या और ध्यान के माध्यम से ष्श्रुतिष (ईश्वरीय वाणी) को सुना और उसे मंत्रों के रूप में संकलित किया। इन वेदों के भीतर एक लाख मंत्र समाहित हैं। इनको समझने और उनके अर्थ को आत्मसात करने वाले ऋषियों को ष्मंत्र दृष्टाष कहा जाता है। कुंभ के आयोजन का मुख्य आधार वैदिक ज्ञान और ज्योतिषीय गणनाएं हैं। माना जाता है कि कुंभ का आयोजन उस समय किया जाता है जब ग्रह–नक्षत्र एक विशेष संयोग में होते हैं. जिससे सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है ।2 5 वर्षों से संचालित श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय के सामवेदाचार्य वेद मूर्ति ब्रजमोहन पांडेय ने बताया कि वेद पाठशाला में बच्चों को शुक्ल यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद और ऋग्वेद के मंत्र सस्वर कंठस्थ कराए जा रहे हैं। वेदों की पढ़ाई के साथ–साथ बच्चों को संस्कृ त, अंग्रेजी, गणित, सामाजिक विषय पढ़ाया जाता है ताकि उनमें सामाजिक भावना भी आए। संस्था की कोशिश है कि यहां पढ़ने वाले वेद छात्र अपनी प्राचीन परंपरा और आध ुनिक परंपरा दोनों को सीख सकें, इसके लिए बच्चों को कंप्यूटर का प्रशिक्षण दिया जाता है और यहाँ बच्चे सिर्फ वेदों की पढ़ाई ही नहीं करते, बल्कि खेल–कूद, पेंटिंग, बागवानी व अन्य व्यावहारिक प्रशिक्षण भी लेते हैं। बच्चों को यहां क्रिकेट, कबड्डी, बैडमिंटन जैसे खेल भी खेलने को मिलता है। बच्चों को योग के जरिए ध्यान लगाने की भी ट्रेनिंग दी जाती है। वेद पाठशाला में करीब 60 वेदपाठी छात्र वेदों का अध ययन कर रहे हैं। ज्यादातर बच्चे उत्तर प्रदेश के ही हैं और इनमें से भी अधिकांश प्रयागराज के आस पास के जिलों से हैं। यहां पढ़ने वाले वेद छात्रों का कहना है कि यहां काफी अच्छा लगता है। यहां पढ़ाई करते हुए हम सभी को बहुत कुछ नया सीखने को मिलता है। कार्यक्रम का संयोजन ब्रजमोहन पांडेय और खिमलाल न्योपाने ने किया। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जीवन उपाध्याय, गौरव जोशी, अवनीश पाण्डेय, कृष्णकुमार मिश्र, शिवानंद द्विवेदी, अवनी सिंह, अंजनी कुमार सिंह, अजय मिश्र आदि ने योगदान दिया।

प्रयागराज जंक्शन पर महिला यात्री का बैग चोरी

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन पर एक महिला यात्री का बैग चोरी हो गया है। यात्री ने प्रयागराज जीआरपी में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। ग्वालियर निवासी राधा अपनी बेटी संध्या के साथ ट्रेन संख्या 11108 बुंदेलखंड एक्सप्रेस से ग्वालियर लौटने के लिए प्लेटफॉर्म नंबर एक पर ट्रेन का इंतजार कर रही थीं। ट्रेन आने पर जैसे ही वे ट्रेन में बैठने के लिए उठीं, उन्होंने देखा कि उनका बैग पास में नहीं था। बैग में उनकी बेटी के इलाहाबाद हाईकोर्ट में चल रहे एक मामले के महत्वपूर्ण दस्तावेज और 1500 रुपये नकद रखे थे। इस घटना से न केवल पीड़िता बल्कि उनकी बेटी को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि चोरी हुए दस्तावेज उनके केस के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण थे। जीआरपी मामला दर्ज करके सीसीटीवी फुटेज से जांच कर रही है।

दागी एवं अनुशासनहीन कार्यकर्ता को अध्यक्ष चुनाव प्रक्रिया से दूर रखेगेः महानगर अध्यक्ष

प्रयागराज। महानगर से जिला अध्यक्षों की लाइन में प्रमुख रूप से वर्तमान महानगर अध यक्ष राजेंद्र मिश्रा, महामंत्री वरुण केसरवानी रवि, महामंत्री कुंज बिहारी मिश्रा,महामंत्री रमेश पासी, पार्षद दल की मुख्य सचेतक पार्षद किरन जयसवाल, पूर्व महामंत्री श्याम चंद्र हेला, मृत्युंजय तिवारी, राजू पाठक, पार्षद विजय मल्होत्रा, अनिल भट्ट, राजेश सिंह पटेल,प्रमोद जायसवाल, प्रेम नारायण केसरवानी, मनोज कुमार कुशवाहा, देवेंद्र नाथ मिश्रा, राजू शुक्ला, आशीष गुप्ता, सुबोध सिंह, संजय गुप्ता, रविंद्र त्रिपाठी ,विक्रमजीत सिंह भदौरिया, शिखा रस्तोगी, पवन श्रीवास्तव, राजेश गिरी,आभा मधुर श्रीवास्तव, आदि नाम चल रहे हैं जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी के अनुसार जिला अध्यक्ष के लिए नव नियुक्त मंडल अध्यक्ष होंगे और प्रस्तावक नवनियुक्त जिला प्रतिनिधि होंगे जिला अध्यक्ष चुनाव चयन प्रक्रिया में उनकी आयु सीमा पार्टी के गाइडलाइन के अनुसार 45 से 60 वर्ष की गई है और दो कार्यकाल की सक्रिय सदस्यता निर्धारित किया गया है जिससे अभी हाल में भाजपा को ज्वाइन करने वाले बाहरियों को मौका नहीं मिलेगा भाजपा ने जिला अध्यक्ष के लिए साफ एवं अनुशासित छवि वाले कार्यकर्ताओं को एवं महिलाओं को प्राथमिकता देने का फैसला किया है और जिन नेताओं के खिलाफ किसी भी प्रकार की अनुशासनात्मक कार्रवाई हुई है वह इस बार संगठन चुनाव में भाग नहीं ले सकेंगे और जिला अध्यक्ष के लिए उम्मीदवार को मंडल या जिला स्तर पर किसी पद पर रहना अनिवार्य है इससे संगठन के अनुभवी और समर्पित कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता मिलेगी और दागी और विवादित छवि वाले नेताओं से जिला अध्यक्ष पद के चुनावी प्रक्रिया से मुक्त रखा जाएगा इस बार पार्टी की नई गाइडलाइन के अनुसार क्षेत्र के बजाय जिला अध्यक्ष का पैनल सीधे प्रदेश स्तर पर भेजने का प्रावधान किया गया है और सामाजिक समीकरण को साधते हुए जो नाम पैनल पर आएंगे आम सहमति बनाने का प्रयास होगा और यदि सहमति नहीं बनती तो मतदान कराया जाएगा।

भाजपा महानगर अध्यक्ष की रेस में कई दिग्गज

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी के महानगर अध्यक्ष पद पर निर्वाचन के लिए से कई दिग्गज रेस में लगे हैं। अध्यक्ष पद के लिए वर्तमान महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा के अलावा महामंत्री वरुण केसरवानी रवि, कुंज बिहारी मिश्रा व रमेश पासी, पार्षद दल की मुख्य सचेतक किरन जयसवाल, पूर्व महामंत्री श्याम चंद्र हेला, मृत्युंजय तिवारी, राजू पाठक, पार्षद विजय मल्होत्रा, अनिल भट्ट, राजेश सिंह पटेल, प्रमोद जायसवाल, प्रेम नारायण केसरवानी, मनोज कुमार कुशवाहा, देवेंद्र नाथ मिश्रा, राजू शुक्ला, आशीष गुप्ता, सुबोध सिंह, संजय गुप्ता, रविंद्र त्रिपाठी, विक्रमजीत सिंह भदौरिया, शिखा रस्तोगी, पवन श्रीवास्तव, राजेश गिरी, आभा मधुर श्रीवास्तव आदि अपनी दावेदारी कर रहे हैं। जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी के अनुसार महानगर अध्यक्ष के लिए नवनियुक्त मंडल अध यक्ष प्रस्तावक होंगे और नवनियुक्त जिला प्रतिनिधि समर्थक होंगे।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062